वी.यू. में ''राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिये पशुधन स्वास्थ्य और उत्पादन'' विषय पर मैनेज प्रशिक्षण का शुभारंभ

आज दिनांक 24 सितम्बर 2019 को पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, ना.दे.प.चि. विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के सभागार में **''राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिये पषुधन स्वास्थ्य और उत्पादन''** विषय पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेश बहुगुणा, माननीय संभाग आयुक्त, संभाग जबलपुर कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल जी, कुलपति, ना.दे.प.चि.विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर व विशिष्ट अतिथि डॉ. शाहजी फंड, सहायक निर्देशक तथा कोर्स कोर्डीनेटर, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद (तेलंगान) मंचासीन रहे। विदित हो कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद द्वारा पोषित किया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 24–28 सितम्बर 2019 तक आयोजित रहेगा, इस प्रशिक्षण में कुल 27 पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञों, (मध्यप्रदेश शासन) की प्रशिक्षणार्थीयों के रूप में सहभागिता मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों से हुई है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन का शुभारम्भ मॉ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्जवलन व सरस्वती वंदना के साथ मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह से स्वागत माननीय कुलपति महोदय जी द्वारा मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेश बहुगुणा, संभाग आयुक्त, जबलपुर, माननीय कुलपति जी का स्वागत डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा तथा डॉ. शाहजी फंड का स्वागत डॉ. अनिल कुमार गौर, प्रभारी विभागाध्यक्ष द्वारा पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह् से सम्मानित किया। इसी अवसर पर सम्मानीय अतिथियों द्वारा प्रशिक्षण स्मारिका का विमोचन भी किया गया। तत्पश्चात डॉ. सुनील नायक, कोर्स कीर्डीनेटर तथा संचालक विस्तार शिक्षा द्वारा **''राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिये पशुधन स्वास्थ्य और उत्पादन''** प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधी विस्तृत

तकनीकी जानकारी प्रस्तुत की गई। इसी श्रंखला में डॉ. शाहजी फंड, कोर्स कोर्डीनेटर, मैनेज ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्ता पर प्रकाश डालते हुये कहा कि हमारे प्रयास से इस विश्वविद्यालय को दो प्रशिक्षण कार्यक्रम पोषित किये गये, जिससे मध्यप्रदेश के पशुओं की पशु उत्पादकता वृद्धि हेतु पशुपालन की उन्नत तकनीकियों का ज्ञान एवं अंगीकरण पशुपालकों द्वारा संभव हो सके। कार्यक्रम के तारतम्य में डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता महोदय ने उद्‌बोधित करते हुये कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय एवं संचालनालय विस्तार शिक्षा के समन्वित प्रयासों से आयोजित होते हैं, जो कि पशुपालकों की समृद्धि में सहायक सिद्ध होते हैं।

उद्‌घाटन कार्यक्रम की श्रंखला में मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेश बहुगुणा ने अपने उद्‌बोधन में समन्वित खेती पशुपालन विस्तार अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंन्द्र की महत्ती आवश्यकता पर बल दिया। इसी के साथ कहा कि उन्नत एकीकृत प्रणाली पद्धति के माध्यम से कृषकों का सशक्तीकरण किया जावे, जिससे कृषकों की आय में दोगुनी वृद्धि परिलक्षित हो तथा हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी का स्वप्न साकार करते हुये, नवभारत का निर्माण हो सके। माननीय कुलपति, डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल जी ने मध्यप्रदेश पशुपालक विभाग के पशुचिकित्सा विस्तार अधिकारियों एवं पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञों को संबोधित करते हुये कहा कि आप विश्वविद्यालय एवं पशुपालक के बीच की कड़ी है। आपके प्रयासों से ही शोधों का लाभ सीधे पशुपालक तक पहुँचेगा। ज्ञान का सार्थक उपयोग पशुपालक के हित में होना चाहिये एवं उनकी आय में बढ़ोत्तरी हो।

इस कार्यक्रम में डॉ. एस.पी. शुक्ला, पूर्व अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, रीवा, डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता व छात्र कल्याण अधिष्ठाता, डॉ. जे.के. भारद्वाज, संचालक प्रक्षेत्र, डॉ. पी.सी. शुक्ला, संचालक क्लिनिक, डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, पी.एच.डी एवं स्नाकोत्तर छात्र–छात्राओं व कर्मचारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरि आर, सहायक प्राध्यापक (विस्तार शिक्षा) द्वारा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. नितिन कुमार बजाज,सहायक प्राध्यापक, पशु मादा एवं प्रजनन विभाग ना.दे.प.चि.विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर ने किया ।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)